अपमृत्यु परिहरिसॊ अनिलदेव
कृपण वत्सलनॆ कावर काणॆ जगदॊळगॆ ||प||
निनगिन्नु समराद अनिमित्त बांधवरु
ऎनगिल्ल आवाव जनुमदल्लि
अनुदिनवु ऎम्मनुदासीन माडुवुदु
अनुचितवु निनगॆ सज्जन शिखामणियॆ ||१||
करणाभिमानिगळु किंकररु मूर्लोक
दॊरॆ निन्नॊळगिप्प पर्वकाल
परिसरनॆ ई भाग्य दॊरॆतनकॆ सरियुंटॆ
गुरुवरनॆ नी दयाकरनॆंदु बिन्नैपॆ ||२|
भवरोग मोचकनॆ पवमानराय
निन्नवरवनु नानु माधवप्रियनॆ
जवन बाधेय बिडिसु अवनियॊळु सुजनरिगॆ
दिविजगण मध्यदॊळु प्रवर नीनहुदो ||३||
ज्ञानायु रूपकनु नीनहुदॊ, वाणि
पंचाननाद्यमररिगॆ प्राणदेव
दीनवत्सलनॆंदु नानिन्न मॊरॆहॊक्कॆ
दानवारण्य कृशानु सर्वदा ऎम्म ||४||
साधन शरीरविदु नी दयदि कॊट्टद्दु
साधारणवल्ल साधुप्रियनॆ
वेदवादोदित जगन्नाथ विठलन
पादभजनॆयनित्तु मोदकॊडु सतत ||५||